PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Hindustan, Delhi
Tue, 13 Jun 2017, Page 14
Width: 41.61 cms, Height: 32.63 cms, a3r, Ref: 39.2017-06-13.150

केंद्रीय बिजली मंत्री ने कहा- 2022 तक एक लाख 75 हजार मेगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य

अक्षय ऊर्जा पांच साल में क्षमता से ज्यादा

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

केंद्रीय बिजली मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि अक्षय ऊर्जा की स्थापित क्षमता अगले पांच वर्ष में थर्मल पावर की क्षमता से अधिक हो जाएगी। सरकार ने 2022 तक एक लाख 75 हजार मेगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन का लक्ष्य रखा है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में यही रफ्तार रही, तो लक्ष्य हासिल करना तय है।

बिजली, कोयला, नवीकरणीय ऊर्जा और खान मंत्रालय की तीन वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए गोयल ने कहा कि सरकार 18,452 गांवों में से 13,630 गांवों का विद्युतीकरण कर चुकी है। करीब एक हजार गांवों में बसावट नहीं है। बाकी बचे साढ़े तीन हजार गांवों का विद्युतीकरण इस साल के अंत तक कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2022 तक हर घर तक बिजली पहुंच जाएगी।

पटरी पर लाने की कोशिश : पीयूष गोयल ने कहा कि मंत्रालय थर्मल और पन बिजली क्षेत्र में अटकी परियोजाओं को पटरी पर लाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय थर्मल पावर प्रोजेक्ट के ऋण संकट के समाधान के करीब है। साढ़े ग्यारह हजार मेगावॉट की पनबिजली परियोजनाओं पर भी काम चर रहा है। बिजली मंत्रालय और नीति आयोग मिलकर 25 वर्ष के लिए ऊर्जा सुरक्षा नीति का भी मसौदा बना रहा है।

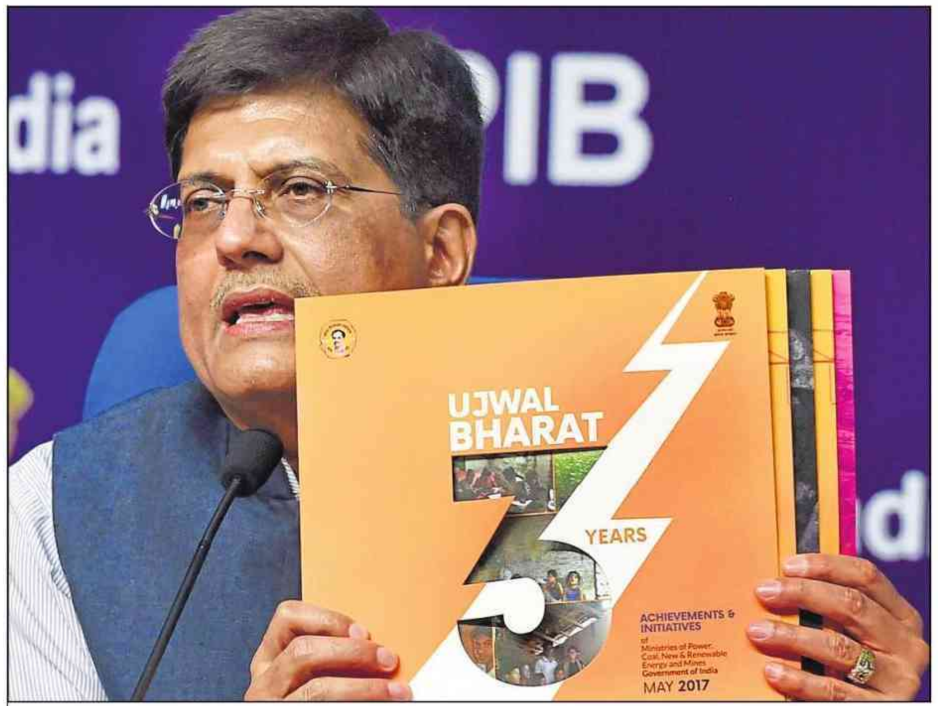

नई दिल्ली में सोमवार को प्रेसवार्ता के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल। • प्रेट्र

गोशाला में बायोगैस संयंत्र

बिजली मंत्री ने सभी बड़ी गोशालाओं में बायोगैस प्लांट लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि बायोगैस में रसोई गैस के उत्पादन की काफी संभावनाएं हैं। बड़ी गोशालाओं में बायोगैस के संयंत्र लगने से आमदनी होगी और देश में ईंधन की जरूरतों को भी पूरा किया जा सकेगा।

बोटलिंग प्लांट भी लगेंगे

गोयल ने कहा कि बड़ी गोशालाओं में बायोगैस के बोटलिंग प्लांट भी लगाए जाएंगे। ताकि, गोशाला में पैदा होने वाली रसोई गैस को दूसरी जगहों पर इस्तेमाल किया जा सके। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक देश में प्रति वर्ष 50 करोड़ टन बायोमॉस की उपलब्धता है।

बिहार के प्रस्ताव को मंजूरी देने को तैयार

गोयल ने कहा कि बिहार सरकार राज्य में सौर ऊर्जा को बढ़ाने के लिए जितने भी प्रस्ताव भेजेगी, केंद्र उन प्रस्तावों को मंजूरी देने के लिए तैयार है। बिहार सरकार घरों, कार्यालयों और औद्योगिक इकाइयों की छतों पर सौर ऊर्जा के रुफटॉप लगाने के साथ किसानों को ऑफग्रिड बिजली देने के लिए जो प्रस्ताव भेजेगी, केंद्र सरकार उन्हें जरूर मंजूरी देगी।